गेस्ट कोल्ड फील्ड लिमिटेड जो हिन्दुस्तान सरकार का एक उपक्रम है वह इसको बनाने जा रहा था। लेकिन जैसा होता है, शायद यहां से इशारा हुआ होगा, कहीं से, इन लोगों ने व्यक्तिगत ठेका दे दिया। मेरे पास एक तार आया है कि जो ठेकेदार था वह इस मामले में आथराइज्ड नहीं था। गवर्नमेंट एक तरफ अपनी यह नीति घोषित करती है कि कोई काम सरकार ठेकेदारों से नहीं कराएगी और खासकर सरकारी उपक्रमों, अंडरटेकिंग्स में वह नहीं करायेगी और दूसरी तरफ वह ठेकेदारों को ऐसे काम देती है। यह ठेका कंसल ब्रादर्स को दिया गया था और उसको जो यह मिला है इसके बारे में म कुछ नहीं कहूंगा क्योंकि मैं इस सारे मामले का जायका नहीं खराब करना चाहता। बहुत बड़े लोग इसके साथ जुड़े हुए हैं। उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं बहुत गम्भीरता के साथ कहता हूं कि जो यह एक बहुत बड़ी घटना घट गई है, वह मध्य प्रदेश में घटी है। वहां के शहडोल जिले की कौतमा कोलरी में यह दुर्घटना हुई। उपसभाध्यक्ष महोदया, कौतमा कोलरी में जो यह हुआ वहां से कोई ज्यादा सूचना इस बारे में नहीं मिली कि उसके अन्दर कोई दुर्घटना हुई। अगर ऐसे बंकर गिरेंगे तो यह एक खतरनाक चीज है और इस पर मैं चाहता हूं कि सरकार एक निष्पक्ष जांच खुद करे सीडब्ल्यू बीडब्ल्यू आईडब्ल्यू से करा ले, 30 आदमी वहां दबे है। उस अखबार में यह भी लिखा हुआ कि पता नहीं कितने और आदमी वहां दबे हुए हैं जहां हजारों टन का बंकर गिर जाय और जहां की खदान बैठ जाय वहां कितने भी आदमी मर सकते हैं। इसलिये यह एक बहुत गम्भीर विषय है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि वह इसकी इन्क्वायरी करे और जो मरे हैं मजदूर, उनकी जिन्दगी तो वापस नहीं ला सकते, लेकिन समानता का जीवन जीने के लिये उनकी भावी पीढ़ी और उनके लिये कुछ मुआवजे का इन्तजाम जरूर करे।

REFERENCE TO THE STRIKE BY ALL INDIA FEDERATION OF UNIVERSITY AND COLLEGE TEACHERS' TO PRESS THEIR DEMANDS

SHRI SANTOSH MITRA (West Bengal): Sir, today a strike is being organised by the All India Federation of University and College Teachers' Organisations in support of their long standing charter of demands in view of the disquieting situation arising out of the non-fulfilment of the demands in the field of higher education in the country and it is necessary to draw the attention of the Government. Many representations have been made to the Government but no response has been received so far. So, under these compelling circumstances, the college and university teachers of different States in India are observing a token strike just to draw the attention of the Government to their demands which are:

• 1. Solution of problems of Director of Physical Education,. . Tutors and Demonstrators, Assistant Lecturers. Cartographers', etc., the teachers who have been long denied their due.

2. Revision of salary scales ensuring full neutralisation of erosion in real wages as a result of inflation and a single running grade for all categories of teachers.

3. Statutory security of service for all teachers including those serving in minority-run institutions.

4. Representation of AIFUCTO on UG.C. and C.A.B.E.:

5. Democratization of governance of colleges and universities.

6. Full civic and political rights for teachers in colleges and universities.

7. Direct payment from the treasury.

[Shri Santosh Mitra]

8 Common cadre for +2 and+3 teachers.

9. Abolition of discrimination between teachers of State and Central universities and colleges affiliated to these with respect to all perquisites.

10. Age of superannuation not below 60 years.

Sir, today a call for token strike has been given to draw the attention of the Government and if any heavy dislocation in the field of higher education takes place, the Government will be responsible for it. I urge upon the Government to meet the Teachers' Organisation and to hear them in order to find out a happy solution with a view to avoiding any future disaster in the field of higher education.

REFERENCE TO THE ALLEGED THREAT TO THE LIFE OF SHRI JAGJIT SINGH ANAND, A FORMER MEMBER OF THE RAJYA SABHA, FROM DAL KHALSA—Contd

श्री योगेन्द्र शर्मा (बिहार) : मान्यवर, मैं जिस सवाल का उल्लेख करना चाहता हूं उस सवाल की ओर आपका और आपके माध्यम से गृह मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। वह सवाल यह है कि एक व्यक्ति को एक पत्र लिखा गया जिसमें उनको मार डालने की धमकी दी गई है, जिससे यह सवाल पैदा होता है। लेकिन साथ ही साथ यह सवाल एक राष्ट्रीय सवाल भी है। हम सब कोई जानते हैं कि पंजाब में विघटनकारी और पृथकतावादी शक्तियों ने साम्प्रदायवाद का इस्तेमाल कर के हत्याकांडों का सिलसिला मचा रखा है। इससे तमाम देश चिंतित है। देश में राष्ट्रीय एकता और धर्म निरपेक्षता को कायम रखने वाले तमाम लो इससे चिंतित है। अभी अभी कुछ दिन पहले प्रधान मंत्री ने तमाम विरोधी दलों की एक मीटिंग बुलाई थी और इस समस्या पर तमाम दलों के सदस्यों ने अपनी चिंता प्रकट की और इसकी निंदा की। उसी का एक नमूना हमारे सामने है जिसके जरिये से हम गृह मंत्री जी का ध्यान खींचना चाहते हैं। यह पत्र लिखा गया है, यह पंजाबी में है। मैं उसका अंग्रेजी ट्रांस्लेशन पढ़ कर . . .

उपसभाध्यक्ष (डा० रफीक जकरिया) : सिर्फ जिस्ट बता दीजिये।

श्री योगेन्द्र शर्मा : बहुत छोटा सा पत्र है। बहुत साफ-साफ है। इसमें टीका टिप्पणी की जरूरत नहीं है। उसका अंग्रेजी ट्रांस्लेशन मैं पढ़ कर सुना देता हूं। सब से ऊपर में एक ओंकार लिखा हुआ है। **(व्यवधान)**

Shri Jagjit Singh Anand Editor 'Nawa Zamana'.

वे हमारे भूतपूर्व सदस्य रहे हैं और अभी एक पंजाबी डेली के सम्पादक हैं।

उपसभाध्यक्ष (डा० रफीक जकरिया): सबके जाने पहचाने हैं।

श्री योगेन्द्र शर्मा : सब के जाने पहचाने हैं। असल बात तो यह है कि उनकी आवाज हम मिस कर रहे हैं।

उपसभाध्यक्ष (डा० रफीक जकरिया) मैं आपसे सहमत हूं।

SHRI YOGENDRA SHARMA: "Shri Jagjit Singh Anand, Sat Sri Akal. We ask you one thing. You being a Sikh, why have you directed your pen against Khalistan and Bhindranwale."

उनका कसूर है कि वे देश की राष्ट्रीय एकता की रक्षा, धर्म निरपेक्षता की रक्षा के लिए अपनी कलम चलाते हैं और इसीलिए उनको यह चिट्ठी लिखी गई है, धमकी दी गई है कि तुम अपनी कलम चलाना बन्द करो, नहीं तो तुमको हम मार डालेंगे।